

Ms. Kanyakumari Avasarala

Ms. Kanyakumari Avasarala is a top ranking Carnatic violinist and also an All lndia Radio's top rank artist, with an experience spanning over 45 years. She is popular not only as a soloist and as an accompanist but also as an innovator and organizer of Carnatic instrumental ensembles, always retaining the core values of classicism in her creativity. Her unique style is characterized by smooth and silken bowing, perfectly sculpted phrases intertwined with smooth flowing phrases which make her instrumental music sound very close to vocal music and hence unique. She is also All lndia Radio's top rank artist.

2. Born on June 5, 1951, Ms. Avasarala has a Bachelor's degree in Music from the Queen Mary's College, Chennai. As a first female violinist, she has toured abroad and has played a solo concert at the Kennedy Centre, Washington DC, USA; in the Albert Hall, London, played in the famous Jazz festival in Germany along with Sri. Kadri Gopalnath and other Jazz artists.

3. Ms. Kanyakumari has done several innovations. Her latest creativity is the Group Ragas with the name "Saptadri Ragas" which has 7 ragas in a group, named after the Tirumala Hills. She participated in Panchabhootas- a concert relating the legendary musicians. She is credited for Vadhya Lahari- an unique instrumental ensemble of the Violin, Nadawaram and Veena or Flute and percussion instruments and the Trishthai sangamam- an innovative programme having 3 violins played simulatenously in 3 different octaves, Instrumental ensembles- of 25, 50, 75 violins etc. She has also conducted Sathavadya Sammelanam- an ensemble of 100 instruments. She has led and conducted an ensemble of nearly 3800 instrumentalists during the Silver Jubliee Celebrations of 'The Art of Living'. She is also the first female violinist to have given a non-stop marathon performance for 29 hours in 1988. She has played a ragamalika piece of 108 different ragas. She has made VCDs with violin lessons which are first of its kind.

4. Ms. Kanyakumari is the recipient of numerous awards and honours. Sangeetha Natak Academy Award from the Government of India, "Kalaimamani" from the Government of Tamil Nadu "Honorary Citizenship" of the state Maryland U.S, Limca Book of Records 2004, India Book of Records 2012, for scoring BGM for cricket, Star of India from Wisdom International Magazine, Asthana Vidushi of Tirumal Tirupathi Devasthana "Vishwakala Bharati" 2014, from Bharat Kalachar Chennai and many more awards.



सुश्री कन्याकुमारी अवसराल

सुश्री कन्याकुमारि अवसराल, शीर्ष स्तर की कर्नाटक संगीत की वायलिन वादक होने के साथ-साथ आकाशवाणी की शीर्ष रैंक की कलाकार भी हैं जिसमें आपको 45 से अधिक वर्ष का अनुभव है। आप न केवल एकल वादक और संगीतकार के रूप में लोकप्रिय हैं बल्कि कर्नाटक वाद्य-संगीत गायक के नवोन्मेषी और आयोजककर्ता के रूप में भी लोकप्रिय हैं जिसमें अपनी सृजनात्मकता में आपने हमेशा ही शास्त्रीय संगीत के विशिष्ट मूल्यों को संजोए रखा है। आपकी अनुपम शैली की यह विशेषता है कि इसमें सहज और मधुरता का समावेश होता है जिसमें पूरी दक्षता से तराशी गई भाषा-शैली होती है जिन्हें भाषा-शैली के सहज प्रवाह में गूंथा जाता है जो वाद्ययंत्र के आपके संगीत को कंठसंगीत के काफी निकट लाते हैं जिससे यह अपने आप में अद्वितीय होता है।

2. आपका जन्म जून 05, 1951 को हुआ। आपने क्वीन मैरी कॉलेज, चैन्नई से संगीत में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। पहली महिला वायलिन वादक के रूप में आपने विदेशी दौरे किए और आपने कैनेडी सेंटर, वाशिंगटन डी सी, यू एस ए में एकल वादन प्रस्तुत किया; अल्बर्ट हॉल, लंदन में, श्री कादरी गोपालनाथ और अन्य ज़ैज कलाकारों के साथ जर्मनी में सुप्रसिद्ध ज़ैज समारोह में वायलिन वादन प्रस्तुत किया।

3. आपने कई नवोन्मेषी कार्य किए हैं। आपने अभी हाल ही में "सप्ताद्रि राग" नामक ग्रुप रागों का सृजन किया है जिसमें एक ग्रुप में 7 राग हैं और जिनका नामकरण तिरूमाला हिल्स के नाम पर किया गया है। आपने सुप्रसिद्ध संगीतज्ञों से संबंधित पंचभूत नामक समारोह में भाग लिया। आपको वायलिन, नादवरम और वीणा या बांसुरी से मिला कर बनाया गया वाद्य लहरी जैसा अनुपम वाद्य यंत्र और तालवाद्य तथा तृष्तई संगमम का श्रेय प्राप्त है जो एक ऐसा नवोन्मेषी कार्यक्रम है जिसमें 3 अलग-अलग अष्टपदियों में 3 वायलिन एक ही समय बजाए जाते हैं, वाद्ययंत्रों का मेल 25,50,75 वायलिन आदि होता है। आपने सतवाद्य सम्मेलन का भी आयोजन किया जिसमें 100 वाद्ययंत्र थे। आपने "दि आर्ट ऑव लिविंग" के रजत जयंती समारोह के दौरान लगभग 3800 वाद्ययंत्रों का नेतृत्व करते हुए समारोह का आयोजन किया। आप ऐसी पहली महिला वायलिन वादक हैं जिन्होंने सन् 1988 में बिना रूके 29 घंटे तक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आपने 108 विभिन्न रागों की रागमलिका की रचना भी प्रस्तुत की। आपने वायलिन से संबंधित पाठों की वी सी डी भी बनाई जो अपने आप में बेजोड़ है।

4. आपको कई सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। आपको भारत सरकार से संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, तमिलनाडु सरकार से "कलाईमामणी" पुरस्कार, स्टेट मैरीलैंड यू.एस.की "ऑनरेरी सिटिज़नशिप", लिम्का बुक ऑव रिकार्ड 2004, इंडिया बुक ऑव रिकार्ड 2012, क्रिकेट के लिए वी जी एम स्कोर करने, विस्डम इंटरनेशनल मैग्जीन से स्टार ऑव इंडिया, भारत कल्चर चेन्नई से अस्थान विदुषी ऑव तिरूमल तिरूपति देवस्थान "विश्वकला भारती" 2014 और कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।